LOK SABHA

Tuesday, August 7, 1973/Sravana 16, 1895 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

अप्रैल और मई, 1973 के दौरान भारतीय रेलों द्वारा ढोया गया माल

221. श्री श्रीकृष्ण अग्रवाल : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय रेलों द्वारा अप्रैल और मई 1973 में निर्धारित लक्ष्य से काफी कम सामान ढोया गया है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ग) लक्ष्य प्राप्ति के लिये सरकार ने क्या उपाय किये हैं ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) to (c). A statement is placed on the Table of the House.

Statement

(a) Loading of originating revenue earning traffic during April and May 1973 was 2.05 million tonnes less than the anticipation for these two months.

(b) This drop was the cumulative result of a number of factors like strikes and agitations by Railway staff, extensive power shedding and frequent power tripping, particularly in the Eastern region, severe drought and summer conditions affecting availability of running staff and water for steam engines, difficult loco coal position on some Railways which affected running of steam trains and very heavy movement of foodgrains from a limited area on the Northern Railway.

(c) A meticulous watch is being kept daily over rail operation and corrective measures are being taken to arrest any deteriorating trend noticed The co-operation of trade and major users of Railway assets is also being sought continuously to expedite loading and unloading operations with a view to improving the turn-round Railway services have been declared as essential services, and Defence of India Rules have been promulgated so as to be essentially a deterrent against strikes.

श्री श्रीकृष्ण अग्रवाल : विवरण में मंत्री जी ने माना है कि कमी हुई है और उस के लिये कार्यवाही की जा रही है। मैं जानना चाहूंगा कि गत वर्ष के लगे हुए माल गाड़ियों के इंडेंट अभी तक हमारे मध्य प्रदेश की साउथ ईस्टर्न रेलवे के वास्ते [illegible] में सप्लाई नहीं हुए हैं [illegible] हो गया है। मैं जानना चाहता हूं कि उस पर क्या कार्यवाही की जा रही है जिस से शीघ्र सप्लाई की जा सके ?

श्री मुहम्मद शफी कुरैशी : जैसा कि मैंने अपने बयान में कहा है कि तकरीबन

20 लाख टन के करीब जो ढुलाई कम हुई है उस की वजूहात पहले बतायी जा चुकी हैं कि एक तो कुछ हड़ताल हुई, कुछ पावर की कमी के कारण और कुछ फूड ग्रेन मूवमेंट जो नार्थ से दूसरे इलाकों में करना पड़ा उस की वजह से काफ़ी तादाद में खाली वैगन्स को वहां से वापस आना पड़ा, उस की वजह से माल की ढुलाई में काफी कमी हुई है। अब इस साल का जो प्रोग्राम बनाया है उस में यह प्रोग्राम है कि तकरीबन 10 मिलियन टन जायद माल उठाया जायगा जिस में कोयला, रा-मैटीरियल, आयरन, सीमेंट, फर्टिलाइज़र, फूड ग्रेन और आयल शामिल हैं। तो वैगन की कमी नहीं है। जो कुछ वैगन्स पड़े हुए हैं और जिनके इंडेंट लिये हुए हैं और माल नहीं लादा गया है उस की वजह यह नहीं कि वैगन नहीं दिये गये। बल्कि यह है कि कुछ मुश्किल थी कोयला लोड करने के मामले में। वह मझे यकीन है बहुत जल्द दूर हो जायेंगी। पावर की कटौती की वजह से मुश्किल नहीं थी।

श्री श्रीकृष्ण अग्रवाल : लास्ट ईयर जो अप्रैल से लगे हुए इंडेंट हैं, पावर की शार्टेज हुई या और कुछ अड़चनें हुई उन की वजह से बिजनेस और फौरेस्ट प्रोड्यूस को बाहर निकालने में दिक्कत हुई, और हमारे यहां फौरेस्ट प्रोड्यूस बहुत आवश्यक बिजनेस है जिस में रुकावट पड़ने से सरकार को भी नुकसान होता है और किसानों और मजदूरों का भी नुकसान होता है। उस के लिये वैगन सप्लाई करने का आप कुछ प्रयास कर रहे हैं ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : कुछ वैगन पहले सप्लाई नहीं हुए। अब की जो इंडेंट रखे जायेंगे तो पूरी सप्लाई हो जायगी।

SHRI INDRAJIT GUPTA: According to the statement of the hon. Minister the shortfall in the estimated originating revenue earning traffic was 2.05 million tonnes during April and May 1973, which works out to an average of one million tonnes per month, which is quite serious. I would like to know what are the factors which were not taken into consideration when the estimates were prepared by the Railway Ministry which resulted, so soon after the estimates were prepared, in a shortfall of one million tonnes per month. What were the incalculable factors which were not taken into account? Have they estimated to what extent it is due to diversion of traffic to road transport?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: The operating conditions during the first two months have been extremely unfavourable, and that is the trend which has been shown by these figures. Coming to the reasons, there was extensive power shedding and frequent power tripping on the eastern and south eastern railways. During the month of April in the south eastern railways alone we had about 374 instances of power shedding affecting about 435 trains. These figures pertain to April-May. In May, there were about 298 cases affecting about 442 trains. Each instance of power tripping affects severely the running of trains not only in a particular area but throughout the country. The power shedding also affected our loco sheds, our marshalling yards and also the signalling and cable instruments.

Then, because of the acute drought conditions in certain areas, large quantities of foodgrains had to be moved from northern region to southern region with the result—we had never anticipated this massive movement of foodgrains—we had to get back a large number of empty wagons leaving behind traffic available. In normal conditions, this traffic could have been loaded. Another extraordinary thing was that we had to move foodgrains to Kerala which was also not foreseen before and this affected the earnings to

this extent. These are some of the reasons which have really reduced the traffic earnings.

The number of strikes since April last year and between 23rd and 26th May forced the Government to promulgate the Defence of India Rules. During this short period, the entire transport system was dislocated. As I have already said, the railway system runs like veins in the body. If there is one clot in some place, the whole system is affected. This is what has happened. A large number of these wild-cat strikes, whatever they are called, have dislocated the traffic. They are also responsible for getting lesser traffic earnings. About the road transport, there has not been much diversion there.

श्री जगन्नाथ मिश्र : इस वर्ष के शुरू में ही कोयले के अभाव में माल गाड़ियों का चलना बन्द कर दिया गया जिस से माल की ढुलाई पर बुरा असर पड़ा। तो कोयले की आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिये सरकार द्वारा अब तक क्या कार्यवाही की जा चुकी है जिस से माल ढुलाई पर बुरा असर न पड़े ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : यह बात ठीक है कि कोयले की कमी के कारण कुछ रुकावटें पेश आयी हैं। लेकिन जैसा माननीय सदस्य को मालूम है कि कोलमाइन्स के नेशनेलाइज़ होने के बाद कुछ टीथिंग ट्रबुल तो रही। लेकिन अब हालात सुधर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि कोयले की लोडिंग पूरी रहेगी। हालांकि स्टील प्लान्ट्स के लिये, थर्मल प्लान्ट्स और सीमेंट फैक्ट्रीज के लिये कोयले के स्टाक में कोई कमी नहीं है, लेकिन रेलवे की कुछ मुश्किल अपने लिये पैदा हुई है और वह थोड़े दिनों में ठीक हो जायेगी।

श्री जगन्नाथ मिश्र : मैं इस से सहमत नहीं हूं जो मंत्री जी ने कहा कि मुश्किल खत्म हो गयी है। आज के ही अखबार में छपा है कि गाड़ियां कोयले के अभाव में खत्म कर दी गयीं। तो अभाव कैसे नहीं है। कोयले की व्यवस्था कैसे कर ली है।

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : लोको कोल का स्टाफ जितना होना चाहिए था उतना नहीं है, उस से कम है। इसलिये उस को प्रोजर्व करने के लिये, राशन करने के लिये हम को ट्रेनों को कम करना पड़ा। इसलिये नहीं कि कोयला है ही नहीं।

SHRI DINEN BHATTACHARYYA: The Minister has stated in the statement and also in course of his reply that there has been a shortfall in traffic earnings due to strikes, etc. May I know from the Minister whether it is a fact that big traders are also responsible for this shortfall because they do not unload their goods in time? For days together, the wagons are kept engaged because of the non-cooperation of big traders.

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: The entire foodgrains movement is done on behalf of the Food Corporation of India. There may be a very few instances where unscrupulous traders may be using our wagons as godowns. We have enhanced the demurrage charges and wharfage charges. This has considerably reduced the number of wagons which are held by unscrupulous traders.

श्री एम० रामगोपाल रेड्डी : दो महीनों में माल लाने लेजाने में जो कमी आई है उसको अगले महीनों में आप पूरा करने की कोशिश क्या कर रहे हैं ? पिछले दो महीनों में कम माल जो लाया लेजाया गया है उसकी वजह से रेलों को कितना नुक्सान हुआ है ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : 1973-74 के जो मैंने फिगर्ज बताए हैं उस में हमारा एस्टीमेट यह है कि दस मिलियन टन माल ज्यादा हमें मिलेगा। उससे कुछ जो पीछे कमी आई है वह पूरी हो जाएगी और कुछ ज्यादा माल लोडिंग के लिए हमें मिल सकेगा, ऐसा हमारा ख्याल है। रकम के लिहाज से कितना नुक्सान हुआ है, इसके फिगर्ज मेरे पास नहीं है। जब अवेलेबल होंगे मैं पेश कर दूंगा।

श्री सुखदेव प्रसाद वर्मा : क्या यह सही नहीं कि माल की ढुलाई मे इसलिये भी कमी आई है कि रास्ते मे बहुत सा माल बरबाद हो जाता है, चोरी हो जाता है और उसको प्रोटैक्शन देने में रेलवे असफल रही है इसलिए व्यापारी वर्ग या दूसरे लोक माल रेलों द्वारा ले जाने के बजाय ट्रकों द्वारा ढोना ज्यादा पसन्द करते है ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : इस में कोई सच्चाई तो नही है। जो थोडा सा ट्रैफिक रोड ट्रांसपोर्ट को डाइवर्ट होता है उस से रेलो पर कोई खास असर नही पड़ता है।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मंत्री जी ने स्वीकार किया है कि माल ढोने में कमी हुई है हड़ताल के कारण। हड़ताल जो हुई है क्या इसकी जानकारी आपको पहले से नहीं थी ? मैं जानना चाहता हूं कि कितनी हड़तालें हुई हैं ? आपने यह भी स्वीकार किया है कि हमारे पास डिब्बों की कमी नहीं है। काफी लोगों ने अपना माल ढोने के लिये बोगीज बुक करा रखी हैं लेकिन उनको बोगीज मिलती नहीं हैं। मैं जानना चाहता हूं कि जुलाई 1972 से अब तक कितनी बोगीज लोगों ने बुक कराई और कितनी उनको दी गई। लोगों की शिकायत यह है कि उन्हें मिलती नही है और जब वे अफसरों को खुश कर देते है तो बोगीज मिल जाती हैं। मैं जानना चाहता हूं कि कितने लोगों ने बुक कराई और कितनी उनको मिली ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : कानून के तहत मजदूरों को हड़ताल करने का हक है। इस हक को इस्तेमाल करने के लिए कुछ नियम हैं, कुछ उसूल हैं। पहले बैलट लिया जाता है। उसमें मजदूरों से पूछा जाता है कि क्या वे हड़ताल चाहते हैं या नहीं। अगर 75 परसेंट से ज्यादा लोग यह कहें कि हम हड़ताल चाहते हैं तो उसके बाद गवर्नमेंट को चौदह दिन का नोटिस कम से कम दिया जाता है। इस किस्म का कोई नोटिस गवर्नमेंट को नहीं दिया गया है।

श्री हुकम चन्द कछवाय : हड़ताल की सूचना आपको पहले से थी।

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : जो हड़ताल हुई वह गैर कानूनी हुई। कानून के अनुसार कोई इत्तिला हमारे पास नहीं थी।

श्री हुकम चन्द कछवाय : कितनी बोगीज लोगों ने जुलाई 1972 से जुलाई 1973 तक बुक कराई, कितने लोगों को और कितनी बोगियां आपने दी।

अध्यक्ष महोदय : यह सवाल एक जनरल सवाल है। आप पूछ रहे है कि कितनी बुक कराई कितनी दी गई। यह इससे पैदा नही होता। इसको अलग से पूछ लेना।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मन्त्री महोदय, ने स्वीकार किया है कि हमारे पास बोगीज की कमी नही है लेकिन लोगों को बोगीज मिलती नही हैं, उन्होंने बुक करा रखी हैं——

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : अलग इसके लिए मुझे नोटिस चाहिए।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैं आपकी व्यवस्था चाहता हूं। मन्त्री महोदय ने स्वीकार किया है कि बोगीज की कमी हमारे पास नहीं है। लेकिन लोगों को बोगीज मिलती नहीं हैं। यह शिकायत है। इसका आप बाद में जवाब दिलवा देवें।

अध्यक्ष महोदय : उठता नहीं है। नोटिस दे देना।

श्री हुकम चन्द कछवाय। एक तरफ कहते हैं कि कमी नहीं है लेकिन दूसरी तरफ मिलती नहीं हैं।

अध्यक्ष महोदय : कुछ आदत पड़ गई है बिला वजह स्पीकर को भी डिफाई करने की। आप बैठते क्यों नहीं हैं।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैं आपका हुकम मानने के लिए तैयार हूं। लेकिन इन्होंने स्वयं स्वीकार किया है कि कमी नहीं है। लेकिन मिलती क्यों नहीं हैं?

अध्यक्ष महोदय : आप तो इस तरह से सवाल पूछ रहे हैं जैसे आजकल खूराक की कमी है और इस कारण से कि फसल अच्छी नहीं हुई है और फसल इसलिए अच्छी नहीं हुई है कि बारिशें अच्छी नहीं हुई हैं और बीच में कोई मेम्बर कहे कि बताइये जुलाई से लेकर सितम्बर तक कितने इंच बारिश रोज हुई। जो आप पूछना चाहते है उसका पता लगा कर दे देंगे।

SHRI JAGANNATH RAO: The Minister has admitted that the Railways are facing keen competition from private road transport. May I know whether the centre will take up the State Governments the formation of Road Transport Corporations in which the Railways could be a partner?

Secondly, what are the losses incurred by the Railway due to pilferage?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: The losses suffered by the Railways by way of compensation claims due to pilferage and other cases amount to Rs. 12 crores. Every effort is being made to have a sort of coordination between the road transport system and the railway system and the Railways have introduced the container system and the freight forwarding system which guarantees that over long distances the commodities which are high-rated commodities shall be conveyed safely and securely and delivered to the consignee in the condition in which they were despatched. These are some of the steps which we have taken to meet the competition from the road transport system and it is our policy that where the road transport system can be more economical and more reasonable, the railways should not enter that field.

MR. SPEAKER: Shri Sarjoo Pandey —not here.

Shri Bhogendra Jha.

Creation of a separate Ministry of Oil Exploration

*223. SHRI BHOGENDRA JHA: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 9509 on the 8th May, 1973 regarding the creation of a separate Ministry of Oil Exploration and state:

(a) whether consideration of the recommendations of the Malaviya Committee has since been completed; and

(b) if so, the outcome thereof?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI D. K. BOROOAH): (a) The main recommendations of the Malaviya Committee which deal with the restructuring of the ONGC are still under examination at the highest level in